हिन्दी विभाग
उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी

000345

विषय (Subject) : हिन्दी वोकेशनल–1 (Vocational Hindi-1)/रोजगारपरक हिन्दी–1

	Course Title **हिन्दी में जनसंचार और ज्ञान के विविध स्रोत**

Course Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र/छात्राओं को जनसंचार और ज्ञान के विविध क्षेत्रों में हिन्दी भाषा के बढ़ते प्रयोग का पता चलेगा जिससे उन्हें इस भाषा के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने में अधिक सुविधा होगी।

Credits : 03	Max Marks : 75+25=100	Min. Marks 30+10	Seats 75

Total No. of Lectures- Tutorial- Practical (in hours per week) 2-1

Units	Topic	No. of Lectures
i.	**संचार एवं जनसंचार–** 1. संचार की अवधारणा एवं जनसंचार 2. जनसंचार : विशेषताएँ, कार्य एवं महत्व 3. भारत में जनसंचार साधनों का विकास 4. जनसंचार माध्यमों का प्रभाव, संभावनाएँ एवं खतरे	10
ii.	**समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ–** 1. समाचार की परिभाषा, समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार संकलन 2. प्रिंट मीडिया के लिए लेखन– संपादकीय लेखन, समाचार लेखन, शीर्षक लेखन 3. पत्रिकाओं का महत्व एवं लघु पत्रिकाओं के अस्तित्व के समक्ष चुनौतियाँ।	10
iii.	**रेडियो एवं टेलीविजन–** 1. रेडियो के लिए लेखन– संवाद लेखन, समाचार लेखन 2. टेलीविजन के लिए लेखन– लिखित स्क्रिप्ट का दृश्यीकरण,	09
iv.	**सिनेमा एवं सोशल मीडिया–** 1. सिनेमा–पटकथा लेखन, कला फिल्म, व्यावसायिक फिल्म 2. सोशल मीडिया के विभिन्न रूप एवं हिन्दी लेखन कौशल	09
v.	**ज्ञान के विविध स्रोत–** 1. शब्दकोश 2. साहित्य कोश 3. विश्व कोश 4. वेब लिंक	07
vi.	**प्रायोगिक कार्य**–25 अंक, कक्षा में अध्यापक द्वारा छात्र/छात्राओं से विचार–विमर्श करके एक क्रेडिट का प्रायोगिक कार्य निर्दिष्ट किया जाएगा।	

1.10.21

हिन्दी विभाग
उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी

000346

विषय : हिन्दी वोकेशनल–2 (Vocational Hindi-2)/रोजगारपरक हिन्दी–2			
	Course Title- हिन्दी में सृजनात्मक लेखन (Creative Writing in Hindi)		
Credits : 03	Max Marks : 75+25=100	Min. Marks 30+10	Seats 75
Total No. of Lectures- Tutorial- Practical (in hours per week) 2-1			

Units	Topic	No. of Lectures
i.	1. सृजनात्मक का अर्थ एवं स्वरूप 2. लेखन में सृजनात्मक अभिव्यक्ति– i. साहित्यिक लेखन ii. मीडिया लेखन iii. अनुवाद	10
ii.	साहित्यिक लेखन– 1. भाव, विचार और रचनात्मकता 2. कविता लेखन 3. कहानी लेखन 4. नाटक लेखन 5. डायरी लेखन 6. संस्मरण लेखन	12
iii.	मीडिया लेखन– 1. फीचर लेखन 2. लेख लिखना 3. स्क्रिप्ट लेखन (रेडियो, टेलीविजन के लिए) 4. रेडियो नाटक 5. टेलीफिल्म 6. पटकथा लेखन	12
iv.	अनुवाद– 1. अनुवाद की प्रक्रिया–विश्लेषण, भाषांतर, पुनर्रचना 2. एक विधा की रचना को दूसरी विधा में रूपांतरित करना– निर्धारित पाठ– (i) मोहनदास (कहानी), उदय प्रकाश– फिल्म–मोहनदास (ii) तीसरी कसम (कहानी), फणीश्वरनाथ रेणु– फिल्म–तीसरी कसम	11
v.	**प्रायोगिक कार्य–25 अंक** कक्षा में अध्यापक द्वारा छात्र/छात्राओं से विचार–विमर्श करके एक क्रेडिट का प्रायोगिक कार्य कराया जाएगा जिसमें किसी विधा का व्यावहारिक रचनात्मक लेखन और फाइल निर्माण सम्मिलित होगा।	